Dainik Jagran, Delhi
Tue, 06 Jun 2017, Page 12
Width: $\mathbf{1 6 . 4 3} \mathbf{~ c m s}$, Height: 14.14 cms, a4, Ref: 38.2017-06-06.115

# ग्लोबल रिटेल इंडेक्स में शीर्ष पर भारत 

सिंगापुर, प्रेद्र : व्यापार सुगमता के पैमाने पर 30 विकासशील देशों में चीर्न को पछाड़ भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। एक अध्ययन में यह बात कही गई है। इसमें प्रमुख कारकों के रूप में तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था, एफडीआइ नियमों में नरमी और खपत के बढ़ने का उल्लेख किया गया है। 2017 ग्लोबल रिटेल डेवलपमेंट इंडेक्स (जीआरडीआइ) ने 16 वें संस्करण में दुनियाभर में खुदरा निवेश के लिए टॉप 30 विकासशील देशों की रँकिंग की है। इसमें 25 मैक्रोइकोनॉमिक और रिटेलविशेष वैरिएबल का विश्लेषण क्रिया गया है। रिपोर्ट का शीर्षक है-'द एज ऑफ फोकस'।

जीआरडीआइ ने चीन को दूसरे पायदान पर रखा है। धीमी आर्थिक वृद्धि के बावजूद बाजार के आकार और रिटिल में निरंतर विकास के कारण अब भी खुदरा निवेश के लिए चीन सबसे आकर्षक बाजारें में से एक है। मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म एटी केर्नी के अनुसार, यह अध्ययन अपने में खास है। इसमें न केवल उन बाजारों की पहचान की गई है जो आज

## इस साल 7.2 फीसद रहेगी भारत की ग्रोथ : विश्व बैंक

वाशिंगटन : विश्व बैंक ने इस साल भारत की आर्थिक विकास दर 7.2 फीसद रहने का अनुमान जताया है। 2016 में यह 6.8 फीसद रही।उसके मुताबिक, नोटबंदी कें अस्थायी प्रतिकूल प्रभाव से उबरकर भारतीय अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है। फिलहाल विश्व बैंक ने जनवरी के अनुमानों की तुलना में भारत के विकास के आंकड़ों में 0.4 फीसद का संशोधन किया है। बावजूद इसकें भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट ग्लोबल इकोनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स में भारत की विकास दर 2018 में 7.5 फीसद और 2019 में 7.7 फीसद सबसे ज्यादा आकर्षक हैं, बल्कि उनकी भी जो भविष्य में अवसर प्रदान कर सकते हैं। भारत का खुदरा क्षेत्र 20 फीसद की वार्षिक दर से बढ़ रहा है। बीते साल कुल बिक्री का आंकड़ा 1000 अरब डॉलर के


रहने की भविष्यवाणी की है। जनवरी 2017 के अनुमान की तुलना में दोनों वर्षो में 0.3 फीसद और 0.1 फीसद की कटौती की गई है। 2017 के लिए चीन की ग्रोथ अपरिवर्तित 6.5 फीसद रखी गई है। अगले दो साल 2018 और 2019 में इसके 6.3 फीसद रहने का अनुमान जताया गया है।

आंकड़े को पार कर चुका है। 2020 तक इस क्षेत्र का आकार बढ़कर दोगुना हो जाने की संभावना है। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बढ़तां मध्य वर्ग पूरे देश में खपत को प्रोत्साहित कर रहा है।

